GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF COAL
LOK SABHA
UNSTARRED QUESTION NO.1397
TO BE ANSWERED ON 28.07.2021

Coal based Industries

1397. SHRIMATI GOMATI SAI :

Will the Minister of Coal be pleased to state:

(a) the number of coal based industries lying closed at present due to shortage of coal in Raigarh district of Chattisgarh;

(b) the amount of loss of revenue caused due to the said closure of industries;

(c) whether the said industries are proposed to be reopened; and

(d) if so, the details thereof?

ANSWER

MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, COAL AND MINES

(SHRI PRALHAD JOSHI)

(a) to (d): Coal supply is regularly made by Mahanadi Coalfields Limited (MCL) to 8 and by South Eastern Coalfields Limited (SECL) to 41 coal based industries at Raigarh district through Fuel Supply Agreement (FSA). MCL and SECL have not reported any of these industries linked with them of closing down due to shortage of coal. As on 22.07.2021, SECL and MCL are carrying coal stock of about 16.28 MT and 17.21 MT respectively and as such, there is no shortage of coal.

****

भारत सरकार

कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या : 1397

जिसका उत्तर 28 जुलाई, 2021 को दिया जाना है

कोयला-आधारित उद्योग

1397. श्रीमती गोमती साय:

क्या **कोयला** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में कोयले की कमी के कारण वर्तमान में कोयला आधारित बंद उद्योगों की संख्या कितनी है;

(ख) उक्त उद्योगों के बंद होने के कारण कितने राजस्व का नुकसान हो रहा है;

(ग) क्या उन उद्योगों को फिर से खोलने का प्रस्ताव है; और

(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) से (घ): रायगढ़ जिले में ईंधन आपूर्ति करार (एफएसए) के माध्यम से कोयला आपूर्ति महानदी कोलफील्ड्स लिमिटेड (एमसीएल) द्वारा 8 एवं साउथ ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (एसईसीएल) द्वारा 41 कोयला आधारित उद्योगों को नियमित रूप से की जा रही है। एमसीएल एवं एसईसीएल ने अपने से संबद्ध इनमें से किसी उद्योग के कोयले की कमी के कारण बंद होने की रिपोर्ट नहीं की है। 22.07.2021 तक एसईसीएल और एमसीएल क्रमश: लगभग 16.28 मि.ट. और 17.21 मि.ट. कोयला भंडार से युक्त हैं और इस प्रकार, कोयले की कोई कमी नहीं है।

*****